अथवा

कथ्य और शिल्प के आधार पर 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता की विवेचना कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का निर्देशानुसार रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए। (6,6)

(क) स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को प्राणों के पण में,
हमीं भेज देती हैं रण में
क्षात्र-धर्म के नाते (भावार्थ)

(ख) शीतल कोमल सी चिर कम्पन-सी,
दुर्ललित हठीले बचपन सी,
तू लौट कहाँ जाती है री-
यह खेल खेल ले ठहर-ठहर (बिम्ब विधान)

(ग) देव तुम्हारे कई उपासक
कई ढंग से आते हैं
सेवा में बहुमूल्य भेंट वे
लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं। (भक्ति भावना)

munotes.in

[This question paper contains 4 printed pages.]

01.01.2024(M)

Your Roll No.....

Maitreyi College ★ Chanakyapuri, New Delhi-110021 LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 5301 **G**

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल छायावाद तक)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) HINDI**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (8,7)

(क) वह जन्म-मरण का भ्रमण-भाण
मैं देख चुका हूँ अपरिमाण
निर्वाण हेतु मेरा प्रयाण,
क्या वात-दृष्टि, क्या शीत-घाम।
ओ क्षणभंगुर भव, राम-राम

अथवा

जलता है यह जीवन-पतंग
जीवन कितना? अति लघु क्षण,
ये शलभ पुंज से कण कण
तृष्णा वह अनलशिखा बन
दिखलाती रक्तिम यौवन
जलने की क्यों न उठे उमंग?

(ख) वर दे, वीणावादिनि वर दे!
प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मन्त्र नव
भारत में भर दे
काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय-निर्झर
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे।

अथवा

यह मेरी गोदी की शोभा
सुख-सुहाग की है लाली।
शाही शान भिखारिन की है
मनोकामना मतवाली।

दीपशिखा है अन्धकार की
घनी घटा की उजियाली
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली।

2. 'यशोधरा' के मुख्य कथ्य पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'यशोधरा' की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए।

3. जयशंकर प्रसाद की कविताओं में व्यक्त सौन्दर्य चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'अशोक की चिंता' कविता के आधार पर जयशंकर प्रसाद के अहिंसा संबंधी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

4. छायावादी कविता के संदर्भ में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के योगदान का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

'बादल-राग' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

5. रामधारी सिंह दिनकर कृत 'रश्मिरथी' के तीसरे सर्ग की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (12)

P.T.O.

munotes.in